आम सवाल

सवाल: क्या काली खाँसी का टीका गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क है?

हाँ। यह टीका राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती महिलाओं के लिए नि:शुल्क है।

सवाल: यदि मुझे गर्भावस्था में टीका लगाया जाता है तो क्या फिर भी मेरे शिशु को टीका लगवाने की ज़रूरत है?

हाँ। राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के बाल्याकाल शेड्यूल के अनुसार आपके शिशु को तब भी काली खाँसी का टीका लगाए जाने की ज़रूरत होगी। इसमें 2 महीने (इसे 6 सप्ताह की आयु से दिया जा सकता है), 4 महीने, और 6 महीने की आयु पर काली खाँसी का टीका लगाया जाना शामिल है। शेड्यूल और सुझाव दी गई अवधि का अनुसरण करना अपनी संतान की सुरक्षा को बनाए रखने का सबसे अच्छा तरीका है।

सवाल: क्या मेरे परिवार को टीका लगवाया जाएगा?

आपके नवजात शिशु को सर्वोच्च सुरक्षा देने के लिए आपके परिवार में वह सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति जिसे टीका लगाए जाने की ज़रूरत है, वह गर्भावस्था के दौरान माँ होती है। परिवार के अन्य सदस्यों को टीका लगाने से आपके शिशु को सुरक्षित एंटीबॉडीज़ नहीं मिलती हैं। परन्तु, परिवार के सदस्यों की टीका लगाने से उन्हें सुरक्षा मिलती है और इससे घर में काली खाँसी के संक्रमण के प्रवेश करने की संभावना कम होती है।

सवाल: गर्भावस्था के दौरान किन अन्य टीकों का सुझाव दिया जाता है?

गर्भवती महिलाओं के लिए इंफ्लुएंजा के टीके और COVID-19 के टीकों की सलाह भी दी जाती है और ये नि:शुल्क उपलब्ध हैं।

मुझे और अधिक जानकारी कहाँ मिल सकती है?

आज ही नि:शुल्क टीके के बारे में अपने टीकाकरण प्रदाता से पूछें।

अपने राज्य या टेरेटरी (राज्य-क्षेत्र) के स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करें:

ACT	02 5124 9800
SA	1300 232 272
NSW	1300 066 055
TAS	1800 671 738
NT	08 8922 8044
VIC	1300 882 008
WA	08 9321 1312
QLD	13 HEALTH (13 432 584)

health.gov.au/immunisation

इस प्रकाशन में दी गई सारी जानकारी मार्च 2022 तक सही है।
DT0002930

Australian Government
Department of Health

National Immunisation Program
A joint Australian, State and Territory Government Initiative

अपने शिशु को काली खाँसी से सुरक्षित करें।

जब आप गर्भवती हों तो नि:शुल्क टीका लगवाएँ।

STOP **WHOOPING COUGH** in young babies

आज ही नि:शुल्क टीके के बारे में पूछें।
health.gov.au/immunisation

काली खाँसी क्या है?

काली खाँसी (इसे पर्टुसिस भी कहते हैं) एक अत्यधिक संक्रामक जीवाणु संक्रमण है जो किसी संक्रामक व्यक्ति के खाँसने या छींकने से फैलता है। यह फेफड़ों और वायुमार्ग को प्रभावित करता है और इससे व्यक्ति को तेज़-तेज़ तथा अनियंत्रित तरीके से खाँसी आ सकती है, जिससे उसके लिए सांस लेना कठिन हो सकता है। जिन लोगों को टीका नहीं लगा होता है, उन्हें काली खाँसी से ग्रस्त होने का अधिक खतरा होता है।

लक्षण क्या हैं?

- काली खाँसी जुकाम के जैसे शुरू होती है और इसके लक्षणों में नाक बंद होना, या नाक बहनी, छींके आनी, बुखार होना या कभी-कभी खाँसी आनी शामिल है।
- खाँसी बिगड़ती जाती है और अनियंत्रित तरीके से बार-बार गंभीर रूप से खाँसी आनी शुरू होती है।
- बार-बार खाँसने के बाद उल्टी आ सकती है, श्वसन मार्ग में रूकावट आ सकती है या 'हू हू' की आवाज़ आ सकती है।
- कुछ नवजात शिशुओं को बिल्कुल भी खाँसी नहीं आती है परन्तु उनकी सांस रूक सकती है और रंग नीला पड़ सकता है।

काली खाँसी शिशुओं के लिए गंभीर हो सकती है

- काली खाँसी से मस्तिष्क में क्षति और निमोनिया तथा कभी-कभार मृत्यु की घटना सहित गंभीर समस्याएँ पैदा हो सकती हैं।
- छ: सप्ताह से कम आयु वाले शिशु इतने छोटे होते हैं कि उन्हें काली खाँसी का टीका नहीं लगाया जा सकता है।
- शिशु 6 महीने की आयु के होने तक काली खाँसी का अपना प्राथमिक टीकाकरण कोर्स समाप्त नहीं करते हैं।

टीका लगवाने का समय

- अब प्रत्येक गर्भावस्था में 20 से 32 सप्ताहों के बीच एक सिंग्ल डोज़ (एकल खुराक) के तौर पर टीका लगवाने का सुझाव दिया जाता है।
- काली खाँसी का टीका भी सुरक्षित रूप से उसी समय लगाया जा सकता है, जब इंफ्लुएंजा और/या COVID-19 का टीका लगाया जाता है।

गर्भवती महिलाएँ अपने शिशुओं को काली खाँसी से सुरक्षित कर सकती हैं

- काली खाँसी से छोटे शिशुओं की सुरक्षा करने का सबसे प्रभावी तरीका आपके लिए गर्भावस्था में टीका लगवाना है।
- टीका लगवाकर, आप गर्भनाल (प्लेसेंटा) के माध्यम से अपने शिशु को सुरक्षित एंटी-बॉडीज़ देती हैं जो जीवन के पहले कुछेक महीनों में उनकी सुरक्षा करते हैं, जब वे सबसे अधिक असुरक्षित होते हैं।
- गर्भावस्था के दौरान टीकाकरण बहुत प्रभावी है – यह दिखाया गया है कि इससे 3 महीने से कम की आयु वाले शिशुओं में काली खाँसी की बीमारी 90% से अधिक से कम हो जाती है।

गर्भावस्था में काली खाँसी का टीका लगवाना सुरक्षित है

- अध्ययन दर्शाते हैं कि गर्भावस्था के दौरान टीका लगवाने के पश्चात गर्भवती महिलाओं में मृत-जन्म देने जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ने में कोई वृद्धि नहीं हुई है।
- काली खाँसी के टीके से होने वाले दुष्प्रभाव आम-तौर पर हल्के होते हैं। कुछ सामान्य दुष्प्रभावों में सुई लगाने के साथ पर पीड़ा, लालिमा और सूजन होनी, मांसपेशियों में दर्द, या बुखार होना शामिल है। परन्तु ये पक्ष-प्रभाव गर्भवती महिलाओं और बिना गर्भ की महिलाओं में समान रूप से होते हैं।